पंजाब केसरी 29/10/2025

जी.एम.एन. कॉलेज में 'पारंपरिक भारतीय रसायन विज्ञान और उसका आधुनिक महत्व' विषय पर हुआ व्याख्यान

पारंपरिक भारतीय रसायन विज्ञान हमारी वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक : डॉ. रोहित दत्त

अम्बाला, 28 अक्तूबर (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'पारंपरिक भारतीय रसायन विज्ञान और उसका आधुनिक महत्व' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य भारतीय रसायन विज्ञान की प्राचीन परंपरा, उसकी वैज्ञानिक सोच तथा आधुनिक रसायन विज्ञान में उसकी प्रासंगिकता को समझना था।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि पारंपरिक भारतीय रसायन विज्ञान हमारी वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। ऐसे शैक्षणिक आयोजन विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जुड़ने और भारतीय वैज्ञानिक परंपरा की गहराई को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। हमारी परंपरा ज्ञान, प्रयोग और अनुसंधान की अखंड धारा रही है, जिससे आज का युवा वर्ग बहुत कुछ सीख सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय वैज्ञानिक विरासत न केवल प्रयोगात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारे देश की बौद्धिक चेतना और सांस्कृतिक गौरव की प्रतीक भी है।

कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज के रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार ने अपने व्याख्यान में भारतीय परंपरा में विकसित धातु शोधन, औषधि निर्माण, रंगाई, कृषि एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित रासायनिक ज्ञान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि प्राचीन भारतीय रसायनज्ञों ने व्यवस्थित प्रयोगों और अवलोकनों के माध्यम से ऐसे वैज्ञानिक सिद्धांत विकसित किए, जो आधुनिक प्रयोगशालाओं और उद्योगों में भी लागू होते हैं।

रसायन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नेहा अग्रवाल ने कहा कि पारंपरिक भारतीय रसायन विज्ञान हमारी सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न अंग है और इसे आधुनिक वैज्ञानिक संदर्भ में पुन: समझने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे देश के प्राचीन वैज्ञानिक योगदानों का अध्ययन करें, उन पर अनुसंधान करें और उन्हें आधुनिक नवाचारों से जोड़कर आगे बढ़ाएं।

कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य बी.एस.सी. की छात्रा मुस्कान ने किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में विद्यार्थियों का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन का कार्य डॉ. नेहा अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर राजिंदर मीरवाल भी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने व्याख्यान के दौरान गहरी रुचि हुए अनेक प्रश्न पूछे और पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ने पर सार्थक चर्चा की। इस दौरान एक उत्साहपूर्ण और विचारोत्तेजक संवाद का वातावरण बना, जिसमें शिक्षक और विद्यार्थी दोनों सक्रिय रूप से सहभागी रहे।

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में 'पारंपरिक भारतीय रसायन विज्ञान और उसका आधुनिक महत्व' विषय पर व्याख्यान करते डॉ. सतीश कुमार और कार्यक्रम में भाग लेते विशेषज्ञ एवं विद्यार्थी। (चंदमोहन)